

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें

छत्तीसगढ़

इन्द्रावती भवन, नया रायपुर

Email ID-cgepidemic.2018@gmail.com Tell/No.0771-2222958

कमांक/संचा.महा.नि./नि.सहा./2023/56
प्रति,

नवा रायपुर, दिनांक 26/07/2023

समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
सिविल सर्जन समस्त जिला अस्पताल
छत्तीसगढ़

विषय :- कंजंकिटवाईटिस प्रकरण बढ़ने के संबंध में।

वर्तमान में कई जिलों में कंजंकिटवाईटिस/ऑख आने की बीमारी/पिंक आई/आई पलू के प्रकरण बढ़ने की जानकारी मिली है। इस संबंध में निर्देशित है कि—

● आमजन—

1. आम जन को बीमारी के लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में जागरूक करें। जानकारी हेतु प्रपत्र संलग्न है।
2. यह बचाव योग्य रोग है। अतः बचाव करने हेतु व्यापक सलाह दें।
3. तीन दिन में ठीक न हो या दृष्टि में धुंधलापन या रोशनी में ऑख खुला रखने में कठिनाई हो तो नेत्र चिकित्सक/नेत्र सहायक से सलाह लें।

● अस्पताल एवं कार्यालय—

4. नेत्र ओ.पी.डी. में कंजंकिटवाईटिस के रोगी को शीघ्र जाँच कर दवा देकर वापस भेज दें, उसे इधर-उधर घूमने से मना करें।
5. अन्य विभागों में भी कंजंकिटवाईटिस से पीड़ित रोगी के परिजन को वर्जित करें।
6. उपचार हेतु एंटीबायोटिक जैसे Ciprofloxacin या Moxifloxacin (बच्चों में Gentamicin) आई ड्रॉप 6 बार 3 दिन तक डालें।
7. यदि किसी भर्ती हुए रोगी को कंजंकिटवाईटिस हो जाये तो अलग रखें।
8. स्टॉफ को कंजंकिटवाईटिस हो जाये तो संपर्क कम से कम हो, ऑख छूने के बाद तुरंत हाथ को सैनिटाईज करें तब किसी दूसरी वस्तु को हाथ लगायें।

● नेत्र ऑपरेशन—

9. नेत्र ऑपरेशन पूर्व रोगी एवं परिजन को यह बीमारी न हो, सुनिश्चित करें।
10. नेत्र ऑपरेशन के बाद नर्सिंग स्टॉफ/परिजन द्वारा दवा डालने के पहले हाथों को सैनिटाईज करना है।
11. ऑपरेशन के बाद सावधानी के लिए रोगी को अस्पताल में कुछ दिन अतिरिक्त रोक सकते हैं।

12. छुट्टी करते समय एक निर्धारित परिजन द्वारा दवा डाला जाना चाहिए जिसे सैनिटाईजेशन, आई फ्लू, लक्षण और सावधानी, बाहर जाने और भीड़भाड़ से दूर रहने के बारे में समझा दें।
13. ऑपरेशन के बाद एंटीबायोटिक आई ड्रॉप जैसे Moxifloxacin 4 बार 7 दिन तक अतिरिक्त डालना चाहिए।
14. नेत्र ऑपरेशन करने या न करने के बारे में नेत्र सर्जन उपरोक्त व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए निर्णय करेंगे।

● प्रशासनिक—

15. Antibiotic दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
16. स्कूल, छात्रावास तथा अन्य Cluster Infection की संभावना वाले स्थान पर विशेष ध्यान देना है। भीड़भाड़ वाले स्थान जैसे सिनेमा थियेटर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि में यह तेजी से फैलता है।
17. यदि किसी स्थान पर अधिक प्रकरण मिलते हैं तो शिविर लगाकर उपचार किया जा सकता है।
18. अस्पताल में आये कंजंकटवाइटिस के रोगियों की संख्या की जानकारी प्रतिदिन भेजें। यदि क्लस्टर इन्फेक्शन मिला हो तो उसका अलग से उल्लेख करें।

संलग्न:—उपरोक्तानुसार।


संचालक

महामारी नियंत्रण, छ0ग0
सह राज्य कार्यक्रम अधिकारी
(NPCB&VI)

पृ.कं./संचा./महा.नि./नि.सहा./2023/ 57 नवा रायपुर, दिनांक 26/07/2023
प्रतिलिपि:—

1. सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, छत्तीसगढ़ की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
2. आयुक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
3. संचालक, स्वास्थ्य सेवायें/परिवार कल्याण, संचालनालय छत्तीसगढ़ की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
4. मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ की ओर सूचनार्थ प्रेषित।


संचालक

महामारी नियंत्रण, छ0ग0
सह राज्य कार्यक्रम अधिकारी
(NPCB&VI)

कंजक्टिवाइटिस

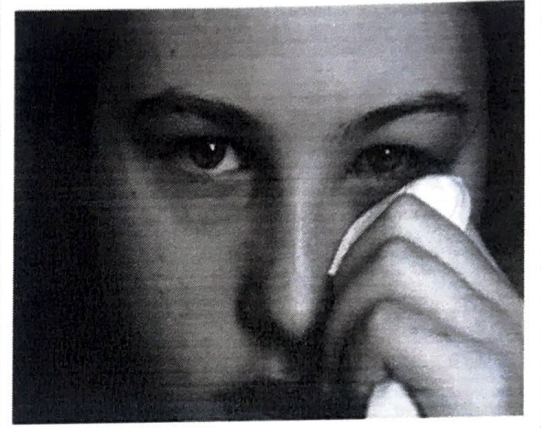
यह आँखों की आम बीमारी है जिसे हम आँख आना भी कहते हैं

लक्षण -

इस बीमारी में रोगी की आँख लाल हो जाती है, कीचड़ आता है, आँसू आते हैं, चुभन होती है तथा कभी कभी सूजन भी आ जाती है।

उपचार -

❖ एंटीबायोटिक ड्रॉप जैसे Gentamicine/ Ciprofloxacin/ Moxifloxacin आई ड्रॉप आँखों में छः बार एक एक बूंद तीन दिनों के लिये मरीज को देना चाहिये।



- ❖ तीन दिनों में आराम न आने पर किसी अन्य बीमारी की संभावना हो सकती है। अतः ऐसे में नेत्र विशेषज्ञ के पास दिखाना उचित होता है। अन्यथा गंभीर स्थिति निर्मित हो सकती है।
- ❖ इसके जाँच एवं उपचार की सुविधा चिकित्सा महाविद्यालय, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में निःशुल्क उपलब्ध है।

बचाव-

- ❖ यह संक्रामक बीमारी है जो सम्पर्क से फैलती है, अतः मरीज को अपनी आँखों को हाथ न लगाने की सलाह देनी चाहिये।
- ❖ रोगी से हाथ मिलाने एवं उसकी उपयोग की चीजें अलग कर इस बीमारी के फैलाव को रोका जा सकता है।
- ❖ संक्रमित आँख को देखने से इस बीमारी के फैलने की धारणा केवल भ्रम है। यह बीमारी केवल सम्पर्क से ही फैलती है।